

भारत सरकार
रेल मंत्रालय

लोक सभा
03.12.2025 के
अतारांकित प्रश्न सं. 654 का उत्तर

एबीएसएस के अंतर्गत चयनित रेलवे स्टेशन

654. श्रीमती जून मालिया:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

- (क) अमृत भारत स्टेशन योजना (एबीएसएस) के अंतर्गत चयनित स्टेशनों के राज्य-वार नाम क्या हैं;
- (ख) स्टेशनों की राज्य-वार संख्या कितनी है, जहां कार्य स्वीकृत किए गए हैं;
- (ग) कार्य पूरा हो जाने वाले स्टेशनों की राज्य-वार संख्या कितनी है; और
- (घ) उक्त योजना की शुरुआत से इसके अंतर्गत वर्ष-वार कितनी धनराशि आवंटित, जारी और उपयोग की गई है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (घ): रेल मंत्रालय ने स्टेशनों के पुनर्विकास के लिए दीर्घकालिक दृष्टिकोण के साथ अमृत भारत स्टेशन योजना शुरू की है।

इस योजना में स्टेशनों में सुधार लाने के लिए मास्टर प्लान तैयार करना और इन्हें चरणबद्ध रूप में कार्यान्वित करना शामिल है। मास्टर प्लान में निम्नलिखित शामिल है:-

- स्टेशन तक पहुंच और परिचलन क्षेत्र में सुधार
- शहर के दोनों ओर स्टेशन का एकीकरण
- स्टेशन भवन में सुधार
- प्रतीक्षालय, शौचालय, बैठने की व्यवस्था, वाटर बूथों में सुधार
- यात्री यातायात के अनुरूप चौड़े पैदल पार पथ/एयर कॉन्कोर्स का प्रावधान
- लिफ्ट/एस्केलेटर/रैंप का प्रावधान
- प्लेटफार्म की सतह में सुधार/प्रावधान और प्लेटफार्म पर कवर
- 'एक स्टेशन एक उत्पाद' जैसी योजनाओं के माध्यम से स्थानीय उत्पादों के लिए कियोस्क का प्रावधान
- पार्किंग क्षेत्र, मल्टीमॉडल एकीकरण
- दिव्यांगजनों के लिए सुविधाएं
- बेहतर यात्री सूचना प्रणाली
- प्रत्येक स्टेशन पर आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए एकजीक्यूटिव लाउंज, व्यावसायिक बैठकों के लिए निर्दिष्ट स्थान, लैंडस्केपिंग आदि का प्रावधान

इस योजना में स्थायी और पर्यावरण अनुकूल समाधान, आवश्यकतानुसार, चरणबद्ध तरीके से तथा व्यवहार्यता के अनुसार गिट्टी रहित रेलपथ आदि का प्रावधान और दीर्घावधि में स्टेशन पर सिटी सेंटर का निर्माण भी शामिल है।

अब तक, अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत विकास के लिए 1337 रेलवे स्टेशनों को चिह्नित किया गया है। देश भर में अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत रेलवे स्टेशनों का

विकास संबंधी कार्य अच्छी गति में शुरू किए गए हैं। अभी तक, 105 स्टेशनों पर निर्माण कार्य पूरे हो चुके हैं। इन स्टेशनों के नाम निम्नानुसार हैं:

अंबिकापुर, आमगांव, अयोध्या धाम, बागलकोट, बैजनाथ पपरोला, बलरामपुर, बरेली शहर, बेगमपेट, भानुप्रतापपुर, भिलाई, बिजनोर, बूंदी, चंदा फोर्ट, चिदम्बरम, चिंचपोकली, चिरयिनकीज़, कटक, डाकोर, डेरोल, देशनोक, देवलाली, धारवाड़, धुले, डोंगरगढ़, फतेहाबाद, फतेहपुर शेखावटी, गडग, गोगामेड़ी, गोकक रोड, गोला गोकरनाथ, गोमती नगर, गोवर्धन, गोविंद गढ़, गोविंदपुरी, गोविंदपुर रोड, हैबरगांव, हाथरस सिटी, हापा, ईदगाह आगरा जं., इज्जतनगर, जाम जोधपुर, जाम वनथली, जोयचंदी पहाड़, कल्याणी घोषपारा, कनालूस जं., करमसद, करीमनगर, कटनी दक्षिण, केडगांव, कोसांबा जं., कुलीतुराई, लासलगांव, लिंबडी, लोनंद जं., माहे, महवा, मैलानी, मंडल गढ़, मंडावरमहवा रोड, मंडी डबवाली, मन्नारगुडी, माटुंगा, मीठापुर, मोरबी, मुनिराबाद, मुर्तिजापुर जंक्शन, नर्मदापुरम (होशंगाबाद), नेताजी सुभाष चंद्र बोस इतवारी जंक्शन, ओखा, ओरछा, पालीताना, पानागढ़, परेल, पीरपैती, पोखरायण, पोलूर, राजगढ़, राजमहल, राजुला जंक्शन, रामघाट हॉल्ट, सहारनपुर जंक्शन, समखियाली, सामलपट्टी, शंकरपुर, सावदा, सिवनी, शहाद, शाजापुर, श्रीधाम, सिद्धार्थ नगर, सीहोर जंक्शन, श्रीरंगम, सेंट थॉमस माउंट, सुल्लुरपेटा, सुरैमनपुर, स्वामीनारायण छपिया, थावे, तिरुवन्नामलाई, उझानी, उरकुरा, उत्राण, वडकारा, वडाला रोड, वृद्धाचलम जंक्शन, वारंगल।

अन्य स्टेशनों पर भी कार्य अच्छी गति से शुरू किए गए हैं तथा कुछ स्टेशनों की प्रगति निम्नानुसार है:

- तिरुपति स्टेशन: दक्षिण दिशा में नए मुख्य प्रवेश स्टेशन भवन और 2 अदद एयर कॉन्कोर्स के संरचनात्मक ढांचे का कार्य पूरा हो चुका है। दक्षिण दिशा की ओर नए मुख्य प्रवेश स्टेशन भवन और एयर कॉन्कोर्स में फिनिशिंग का कार्य, उत्तर दिशा के स्टेशन भवन

का संरचनात्मक कार्य, प्लेटफार्म शेल्टर संबंधी कार्य, लिफ्ट, एस्केलेटर आदि का कार्य शुरू कर दिया गया है।

- नेल्लोर स्टेशन: पूर्व और पश्चिम दोनों दिशाओं में स्टेशन भवनों के संरचनात्मक ढांचे, ईंटों और प्लस्टर का कार्य और एयर कॉनकोर्स का संरचनात्मक कार्य पूरा हो चुका है। पूर्व और पश्चिम दोनों दिशाओं में स्टेशन भवन और एयर कॉनकोर्स पार्ट के फिनिशिंग कार्य, अंडरपास का विस्तार कार्य, पानी की टंकियों, सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट के कार्य शुरू कर दिए गए हैं।
- यशवंतपुर स्टेशन: पूर्वी दिशा के स्टेशन भवन के संरचनात्मक कार्य, पूर्वी दिशा के उप-स्टेशन के सिविल कार्य, पूर्वी दिशा पर एलिवेटेड सड़क और मल्टी-लेवल कार पार्किंग के कार्य पूरे हो गए हैं। पूर्वी दिशा के स्टेशन भवन, पूर्वी दिशा पर एलिवेटेड सड़क और मल्टी-लेवल कार पार्किंग, सीवेज ट्रीटमेंट संयंत्र का फिनिशिंग कार्य, पश्चिम दिशा के स्टेशन भवन और एयर कॉनकोर्स के संरचनात्मक कार्य शुरू कर दिए गए हैं।
- बेंगलुरु कैंट स्टेशन: दक्षिण दिशा में 24 मीटर चौड़े अंतरित मार्ग, प्रशिक्षण केंद्र, उत्तर दिशा में छात्रावास, दक्षिण दिशा के स्टेशन भवन के संरचनात्मक कार्य पूरे कर लिए गए हैं। दक्षिण दिशा के स्टेशन भवन का फिनिशिंग कार्य, उत्तर दिशा के स्टेशन भवन का संरचनात्मक कार्य, पैदल पार पुल का कार्य शुरू किया गया है।
- रामेश्वरम स्टेशन: पूर्व/उत्तर टर्मिनल भवन, प्रस्थान प्रांगण, आगमन प्रांगण, आवासीय टॉवर, सब-स्टेशन भवन, जल निष्कर्षण संयंत्र और सीवेज ट्रीटमेंट संयंत्र के संरचनात्मक कार्य पूरे हो चुके हैं। पूर्व टर्मिनल भवन के चिनाई संबंधी कार्य, उत्तर टर्मिनल भवन, प्रस्थान प्रांगण, आगमन प्रांगण, आवासीय टॉवर के फिनिशिंग कार्य, प्लेटफार्म उन्नयन जिसमें प्लेटफार्म शेल्टर शामिल है और मौजूदा प्रतीक्षा कक्ष के नवीनीकरण के कार्य शुरू कर दिए गए हैं।

- सफदरजंग स्टेशन: सिगनल भवन, स्टेशन भवन, प्लम्बिंग और फायर फाइटिंग, परिचालन भवन की छत तक संरचनात्मक कार्य, एयर कॉन्सोर्स की स्थापना और पेडेस्टल्स के कार्य पूरे हो चुके हैं। स्टेशन भवन में इलेक्ट्रिकल और लो वोल्टेज कार्य, प्लेटफार्म नवीनीकरण, परिचालन भवन के फिनिशिंग कार्य, ओवरहेड टैंक और एयर कॉन्सोर्स के कार्य शुरू कर दिए गए हैं।

इसके अतिरिक्त, भारतीय रेल पर स्टेशनों का विकास/पुनर्विकास/उन्नयन/आधुनिकीकरण सतत और निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है और इस संबंध में कार्यों की पारस्परिक प्राथमिकता और निधि की उपलब्धता के अध्यधीन, आवश्यकतानुसार कार्य शुरू किए जाते हैं। स्टेशनों के विकास/पुनर्विकास/उन्नयन/आधुनिकीकरण कार्यों को स्वीकृति देने और निष्पादन के समय निचली कोटि के स्टेशनों की तुलना में उच्चतर कोटि के स्टेशनों को प्राथमिकता दी जाती है।

रेलवे स्टेशनों का विकास/उन्नयन जटिल प्रकृति का होता है जिसमें यात्रियों और रेलगाड़ियों की संरक्षा शामिल होती है और इसके लिए दमकल विभाग, धरोहर, पेड़ों की कटाई, विमानपत्तन संबंधी स्वीकृति इत्यादि जैसी विभिन्न सांविधिक स्वीकृतियों की आवश्यकता होती है। इनकी प्रगति जनोपयोगी सेवाओं को स्थानांतरित करना, (जिनमें जल/सीवेज लाइन, ऑप्टिकल फाइबर केबल, गैस पाइप लाइन, पावर/सिगनल केबल इत्यादि शामिल हैं) अतिलंघन, यात्री संचलन को बाधित किए बिना रेलगाड़ियों का परिचालन, रेलपथ एवं उच्च वोल्टेज बिजली लाइनों के नजदीक किए जाने वाले कार्यों के कारण गति प्रतिबंध आदि जैसी ब्राउन फील्ड संबंधी चुनौतियों के कारण भी प्रभावित होती है और ये कारक कार्य के समापन समय को प्रभावित करते हैं। अतः, इस समय कोई समय-सीमा नहीं बताई जा सकती है।

अमृत भारत स्टेशन योजना सहित स्टेशनों के विकास/उन्नयन/आधुनिकीकरण का वित्तपोषण सामान्यतः योजना शीर्ष-53 'ग्राहक सुविधाएँ' के अंतर्गत किया जाता है। योजना शीर्ष-53 के अंतर्गत आबंटन और व्यय का ब्यौरा क्षेत्रीय रेल-वार रखा जाता है, न कि कार्य-वार, स्टेशन-वार या राज्य-वार। वित्त वर्ष 2025-26 के लिए योजना शीर्ष-53 के अंतर्गत 12,118 करोड़ रुपये का निधि आबंटन किया गया है और अब तक (अक्टूबर 2025 तक) 7,253 करोड़ रुपये का व्यय उपगत किया गया है।
